मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–22

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-22 : संस्कृत वाङ्मय : प्रमुख वैज्ञानिक सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* $3 \times 20 = 60$

1. स्फोटवाद, वीचीतरङ् न्याय एवं कदम्बमुकुल न्याय का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

2. त्रिभुज के स्वरूप का वर्णन करते हुए उसका क्षेत्रफल तथा वर्ग, चतुर्भुज और उसके क्षेत्रफल का वर्णन कीजिए।

3. वाक्य-संरचना को स्पष्ट करते हुए वाक्यार्थ बोध के साधनों पर प्रकाश डालिए।

4. ध्वनि उत्पत्ति एवं ध्वनि परिवर्तनों के कारण एवं दिशाओं का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

5. विद्युत ऊर्जा के स्वरूप का वर्णन कीजिए तथा चुम्बक के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

6. प्रकाश की गति, ध्वनि एवं श्रवण विज्ञान पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. पञ्चीकरण के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

8. कार्य-कारण भाव सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

9. घन, घनमूल एवं गोले के आयतन को बताइए।

10. अर्थविज्ञान को स्पष्ट कीजिए तथा अर्थविज्ञान की दिशाओं को बताइए।

11. केन्द्रापसारी बल तथा केन्द्राभिसारी बल का विश्लेषणात्मक वर्णन कीजिए।

12. वैदिक गणित के स्वरूप का वर्णन करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

13. परमाणुवाद के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

14. गणित के विविध आयामों पर प्रकाश डालिए तथा अंकगणित को स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×